११ हमारे ये कलामंदिर

कहानी सारांश

इस पाठ में निशा अपनी मौसी के साथ अजंता और एलोरा की गुफाओं को देखने जाती है। उसने इनके बारे में पहले पुस्तकों में पढ़ा था, इसलिए वह इन्हें देखने के लिए बहुत उत्सुक थी।

सबसे पहले वे अजंता की गुफाओं में गईं। वहाँ पहाड़ को काटकर बनाई गई 29 गुफाएँ थीं। इन गुफाओं में बनी मूर्तियाँ और चित्र अत्यंत सुंदर थे। चित्रों में गौतम बुद्ध का जीवन, पशु-पक्षी, पेड़-पौधे और मनुष्यों की झलक बड़े ही सजीव रूप में दिखाई देती थी। आश्चर्य की बात यह थी कि ये चित्र दो हजार वर्ष पुराने होने पर भी आज भी उतने ही चमकीले और सुंदर दिखते हैं।

इसके बाद निशा और मौसी एलोरा की गुफाओं को देखने गईं। वहाँ पहाड़ को काटकर लगभग तीस मंदिर बनाए गए थे। इन मंदिरों की मूर्तियाँ बौद्ध, हिंदू और जैन धर्म से संबंधित थीं। विशेष रूप से कैलाश मंदिर बहुत ही अद्भुत था क्योंकि यह पूरे का पूरा मंदिर एक ही चट्टान को तराशकर बनाया गया था।

इन गुफाओं और मंदिरों को देखकर निशा बहुत प्रभावित हुई और उसे गर्व हुआ कि हजारों वर्ष पहले भी भारत में कला का इतना अद्भुत विकास हुआ था।

मुख्य संदेश:

- अजंता और एलोरा की गुफाएँ हमारे देश की अनमोल धरोहर हैं। वे हमें हमारे प्राचीन कलाकारों की अद्भुत कला, सृजनशीलता और मेहनत का परिचय कराती हैं।

शब्दार्थ

- **उत्सुकता** – अत्यधिक इच्छुक
- **आरक्षण** – पहले से टिकट की व्यवस्था करना
- **विश्रामगृह** – ठहरने का स्थान, आराम करने का घर
- **मनोरम** – सुंदर, मन को भाने वाला
- **शिलाखंड** – चट्टान का टुकड़ा
- **कुंड** – जलाशय/हौज
- **सजीव** – जीवित जैसा, जीवंत
- **अत्यंत** – बहुत अधिक
- **आश्चर्यचकित** – चकित, हैरान
- **हाथों की मुद्रा** – हाथों की विशेष आकृति
- **लोच** – लचक
- **तराशना** – काट-छाँट कर आकार देना
- **कारीगरी** – कुशलता से किया गया काम
- **कलाकृति** – कला के माध्यम से बनाई गई वस्तु या चित्र
- **बेजोड़** – जिसके समान दूसरा न हो, अनोखा

www.onepointlearning.com

मुहावरे

- **टकटकी लगाना –** लगातार देखना
- **चकित रह जाना –** आश्चर्यचकित हो जाना

प्रश्न - अभ्यास

बातचीत के लिए

1. **आपकी छुट्टियाँ कब-कब होती हैं? आप छुट्टियों में कहाँ-कहाँ जाते हैं?**

   उत्तर: हमारी छुट्टियाँ गर्मी, दिवाली और साल के अंत में होती हैं। मैं छुट्टियों में अपने परिवार के साथ गाँव जाता/जाती हूँ और कभी-कभी स्कूल की यात्रा या पर्यटन स्थलों पर भी जाता/जाती हूँ।

2. **अजंता और एलोरा की गुफाओं के भीतर दीवारों पर अत्यंत सुंदर चित्र बने थे। आपके घर और घर के आस-पास कौन-कौन से चित्र बने या लगे हैं?**

   उत्तर: मेरे घर में पूजा की जगह पर देवी-देवताओं के चित्र लगे हैं। घर की दीवारों पर रंग-बिरंगे फूल और प्राकृतिक दृश्यों के चित्र बने हैं। कभी-कभी हम घर की दीवारों पर बच्चों के बनाए चित्र भी लगाते हैं।

3. **आपके घर में कौन-कौन और कहाँ-कहाँ चित्रकारी करते हैं? (जैसे – कागज़ पर, धरती पर, दीवारों पर, मिट्टी की वस्तुओं पर, कपड़ों पर आदि)**

   उत्तर: मेरी माँ कागज़ और कपड़ों पर चित्रकारी करती हैं। पिताजी मिट्टी की वस्तुओं और दीवारों पर चित्र बनाते हैं। मैं स्कूल में और घर में कागज़ पर चित्र बनाना पसंद करता/करती हूँ।

4. **गुफाओं के चित्र देखते ही निशा के मुँह से 'वाह!' क्यों निकला? आपके मुँह से कब-कब 'वाह!' निकलता है?**

   उत्तर: निशा के मुँह से 'वाह!' इसलिए निकला क्योंकि चित्र इतने सुंदर और जीवंत थे कि देखकर वह चकित हो गई। मेरे मुँह से भी 'वाह!' तब निकलता है जब मैं कोई सुंदर दृश्य, कला, फूल या कोई अद्भुत चीज़ देखता/देखती हूँ।

पाठ से

दिए गए प्रश्नों के उपयुक्त उत्तर के आगे सूरज का चित्र (✷) बनाएँ –

1. **निशा, अजंता और एलोरा जाने के लिए क्यों उत्साहित थी?**

   (क) वह पहली बार हवाई यात्रा करने वाली थी। ☐

   (ख) उसने इन गुफाओं के बारे में पुस्तकों में पढ़ा था। ✷

   (ग) उसे मौसी जी से एक नया खिलौना मिलने वाला था। ☐

   (घ) उसने अजंता और एलोरा के बारे में मित्रों से सुना था। ☐

www.onepointlearning.com

2. **निशा को अजंता और एलोरा देखकर कैसा लगा?**

(क) उसे निराशा हुई। ☐

(ख) उसे आश्चर्य हुआ। ✷

(ग) उसे दुःख हुआ। ☐

(घ) वह उदास हो गई। ☐

3. **अजंता की गुफाओं में बने रंग इतने वर्षों बाद भी क्यों फीके नहीं पड़े थे?**

(क) वे विशेष प्रकार के कागज़ पर बनाए गए थे। ☐

(ख) चित्रों में प्रति वर्ष फिर से नया रंग भरा जाता था। ☐

(ग) रंग, फूलों जैसी प्राकृतिक सामग्रियों से बनाए गए थे। ✷

(घ) वे सभी गुफाएँ बहुत ठंडे स्थान पर स्थित थीं। ☐

4. **यात्रा से लौटने के बाद भी निशा को वे कलाकृतियाँ बार-बार क्यों याद आ रही थीं?**

(क) उसने अपनी पाठ्यपुस्तक में उनके बारे में पढ़ा था। ☐

(ख) मौसी जी ने वादा किया था कि वे फिर वहाँ जाएँगी। ☐

(ग) यात्रा बहुत लंबी थी इसलिए याद आ रही थी। ☐

(घ) गुफाओं की सभी कलाकृतियाँ बहुत आकर्षक थीं। ✷

अब अपने समूह में चर्चा करके पता लगाइए कि किस-किसने कौन-कौन से उत्तर चुने और क्यों?

उत्तर:

1. **निशा, अजंता और एलोरा जाने के लिए उत्साहित थी क्योंकि...**

समूह के अधिकतर बच्चों ने (ख) चुना – उसने इन गुफाओं के बारे में पुस्तकों में पढ़ा था।

कारण: बच्चों ने कहा कि निशा पहले ही अजंता और एलोरा के बारे में जान चुकी थी, इसलिए वह देखने के लिए उत्साहित थी।

2. **निशा को अजंता और एलोरा देखकर कैसा लगा?**

सभी ने (ख) चुना – उसे आश्चर्य हुआ।

कारण: चित्रों और मूर्तियों की सुंदरता देखकर निशा चकित और प्रभावित हो गई थी।

3. **अजंता की गुफाओं में रंग फीके नहीं पड़े थे क्योंकि...**

समूह के बच्चों ने (ग) चुना – रंग, फूलों जैसी प्राकृतिक सामग्रियों से बनाए गए थे।

कारण: प्राकृतिक रंग लंबे समय तक टिकते हैं, इसलिए इतने वर्षों बाद भी चित्रों के रंग फीके नहीं पड़े।

4. **यात्रा से लौटने के बाद निशा को कलाकृतियाँ याद क्यों आ रही थीं?**

अधिकांश ने (घ) चुना – गुफाओं की सभी कलाकृतियाँ बहुत आकर्षक थीं।

कारण: इतने सुंदर और अद्भुत चित्र और मूर्तियाँ देखकर निशा का मन अभी भी वहाँ लगा हुआ था।

www.onepointlearning.com

सोचिए और लिखिए

नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर अपनी लेखन-पुस्तिका में लिखिए –

1. **अजंता में निशा ने क्या-क्या देखा?**

   उत्तर: निशा ने अजंता की गुफाओं में दीवारों पर बने सुंदर चित्र देखे। चित्रों में गौतम बुद्ध का जीवन, भिक्षुओं को उपदेश देते हुए, साधु के रूप में भिक्षा मांगते हुए आदि दृश्य थे। साथ ही चित्रों में पेड़-पौधे, पशु-पक्षी और स्त्रियों के चित्र भी थे। निशा ने मूर्तियाँ भी देखी, जो पहाड़ को काटकर बनाई गई थीं।

2. **कैलाश मंदिर के बारे में आपको कौन-सी बात सबसे अधिक आश्चर्यजनक लगी?**

   उत्तर: कैलाश मंदिर की सबसे आश्चर्यजनक बात यह है कि यह पूरा मंदिर एक ही चट्टान को काटकर बनाया गया है। इतनी बड़ी और सुंदर इमारत को एक ही पत्थर से बनाना अत्यंत अद्भुत है।

3. **मौसी जी ने छोटी और बड़ी गुफा के बारे में क्या बताया?**

   उत्तर: मौसी जी ने बताया कि कुछ गुफाएँ छोटी-सी हैं और कुछ अत्यंत लंबी-चौड़ी हैं। इन गुफाओं में मूर्तियाँ और चित्र बनाए गए हैं। गुफाएँ पहाड़ों को काटकर बनाई गई हैं।

4. **क्या कारण है कि अजंता की गुफाओं का मुँह पूर्व दिशा में बनाया गया है?**

   उत्तर: अजंता की गुफाओं का मुँह पूर्व दिशा की ओर इसलिए बनाया गया है ताकि प्रातःकाल के सूर्य की किरणें सीधे इन पर पड़ें और चित्रों की सुंदरता और रंग अधिक दिखाई दें।

5. **अजंता और एलोरा तक पहुँचने के लिए यातायात के कौन-कौन से साधनों का प्रयोग कर सकते हैं?**

   उत्तर: अजंता और एलोरा तक पहुँचने के लिए रेलगाड़ी, बस और निजी वाहन (जैसे कार) का प्रयोग किया जा सकता है।

अनुमान और कल्पना

1. **यदि अजंता की दीवारों के चित्र बोल सकते तो वे हमें क्या कहानियाँ सुनाते?**

   उत्तर: यदि अजंता की दीवारों के चित्र बोल सकते तो वे हमें गौतम बुद्ध के जीवन की कहानियाँ सुनाते। जैसे, उन्होंने कैसे तपस्या की, भिक्षुओं को उपदेश दिए, साधु के रूप में भिक्षा मांगी। इसके अलावा वे हमें उस समय के पेड़-पौधों, पशु-पक्षियों और लोगों के जीवन की झलक भी दिखाते।

2. **मान लीजिए कि आप हज़ारों वर्ष पहले के संसार में चले गए हैं और आपको अजंता की गुफाओं में एक नया चित्र बनाने का अवसर मिला है। आप क्या बनाएँगी और क्यों?**

   उत्तर: यदि मुझे नया चित्र बनाने का अवसर मिलता, तो मैं बच्चों की पढ़ाई और खेल-कूद के दृश्य बनाती। क्योंकि यह दिखाता कि उस समय भी लोग सीखने और खेलने में रुचि रखते थे। साथ ही मैं चित्रों में जानवरों और पेड़-पौधों को भी जोड़ती ताकि वह जीवंत और रंगीन लगे।

www.onepointlearning.com

भाषा की बात

1. पाठ में से कुछ शब्द नीचे दिए गए हैं। इन्हें इनके मिलते-जुलते अर्थों के साथ रेखाएँ खींचकर मिलाइए –

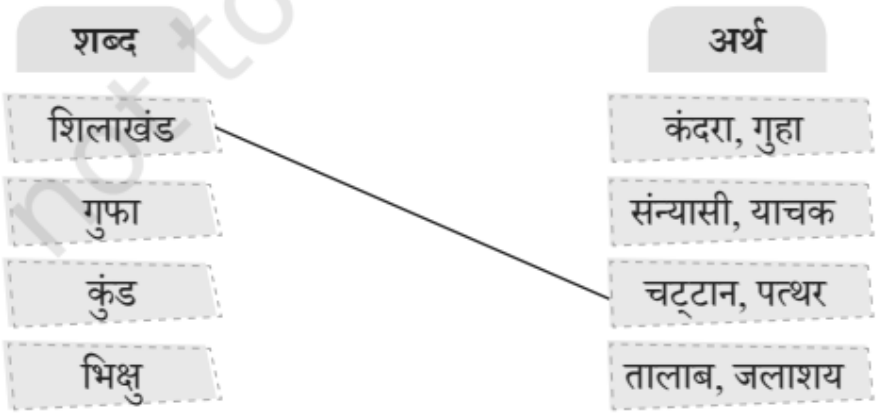

उत्तर :

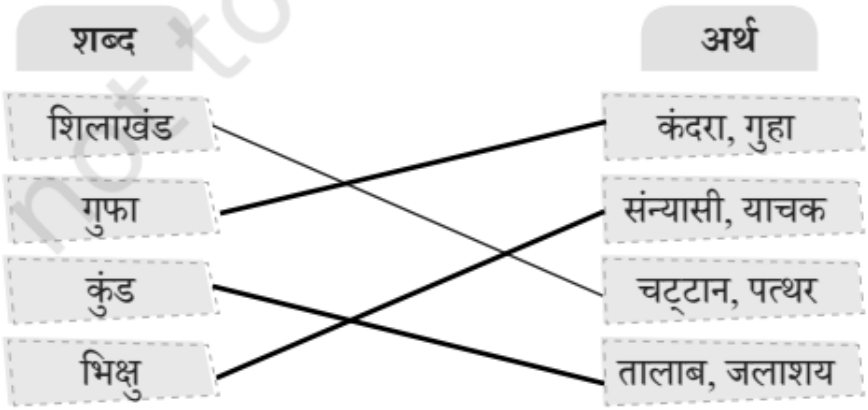

2. "निशा और मौसी ने स्टेशन पर ही विश्रामगृह में रात बिताई।"

यहाँ 'विश्रामगृह' शब्द दो शब्दों से मिलकर बना है – 'विश्राम' और 'गृह'। विश्राम का अर्थ है – आराम। गृह का अर्थ है – घर। अतः: विश्रामगृह का अर्थ हुआ – आराम करने का घर या स्थान।

पाठ में से ऐसे ही दो शब्दों के मेल से बने अन्य शब्दों को खोजकर उनके अर्थ लेखन-पुस्तिका में लिखिए।

उत्तर :

शब्द	अर्थ
• **रेलगाड़ी**	रेल और गाड़ी – रेल पर चलने वाला वाहन
• **प्रातःकाल**	प्रातः + काल – सुबह का समय
• **सूर्यकिरण**	सूर्य + किरण – सूर्य की रोशनी की किरण
• **रंग-बिरंगे**	रंग + बिरंगे – अलग-अलग रंगों वाले

Free worksheets, NCERT Solutions, Learning material & more at www.onepointlearning.com

3. निशा ने आश्चर्यचकित होकर कहा – "दो हजार वर्ष! आज भी इनके रंग ज्यों के त्यों कैसे हैं?"

'ज्यों का त्यों' का अर्थ है – कोई परिवर्तन न होना।

इसी प्रकार के कुछ शब्द नीचे दिए गए हैं। इनका प्रयोग करते हुए अपनी लेखन-पुस्तिका में वाक्य लिखिए –

ज्यों का त्यों	जैसे का तैसा	बिलकुल वैसा ही
वैसा का वैसा	जैसे थे वैसे ही	वास्तविक रूप में

उत्तर : ज्यों का त्यों', 'जैसे का तैसा' आदि शब्दों का प्रयोग वाक्यों में:

i. अजंता की चित्रकारी दो हजार साल बाद भी **ज्यों का त्यों** बनी हुई है।

ii. जैसे माँ ने कहा था, बच्चे ने **जैसे का तैसा** काम किया।

iii. निशा ने अजंता और एलोरा की गुफाओं को देखकर कहा – "यह कला **बिल्कुल वैसा ही** है जैसा किताबों में पढ़ा था।"

iv. मंदिर की मूर्तियाँ देखकर लगा – सब **वैसा का वैसा** है जैसा चित्रों में दिखाया गया था।

v. चित्रों की सुंदरता देखकर निशा ने महसूस किया कि वे **जैसे थे वैसे** ही जीवंत हैं।

vi. मूर्तियों और चित्रों को देखकर बच्चों ने कहा – यह **वास्तविक रूप में** अद्भुत है।

4. "ऐसे सजीव चित्र थे कि लगता था अभी बोल पड़ेंगे।"

"इन मूर्तियों की कारीगरी देखते ही बनती थी।"

रेखांकित अंशों को ध्यान में रखते हुए अब नीचे दिए गए वाक्यांशों से वाक्य बनाइए –

दंग रह जाना	ऐसा जैसे सपना हो	प्रशंसा के योग्य होना
आँखें न हटा पाना	दिल को छू जाना	कल्पना से परे होना
मन मोह लेना	दृश्य भूल न पाना	दृष्टि थम जाना

उत्तर : वाक्यांशों का प्रयोग करके वाक्य:

- अजंता की सुंदर गुफाएँ देखकर निशा **दंग रह गई**।
- मूर्तियों की विशालता देखकर **ऐसा लगा जैसे सपना** हो।
- गुफाओं की कलाकृतियाँ देखकर सबको लगा कि यह **प्रशंसा के योग्य** है।

Free worksheets, NCERT Solutions, Learning material & more at www.onepointlearning.com

- चित्रों की सुंदरता देखकर निशा **आँखें न हटा पाई**।
- गुफाओं की शांति और सुंदरता ने निशा का **दिल को छू लिया**।
- इतनी अद्भुत कला देखकर निशा को लगा कि यह **कल्पना से परे** है।
- चित्रों और मूर्तियों ने निशा का **मन मोह लिया**।
- गुफाओं और चित्रों का अद्भुत **दृश्य निशा भूल न पाई**।
- सुंदर चित्र और मूर्तियाँ देखकर निशा की **दृष्टि थम गई**।

5. नीचे एक वर्ग पहेली दी गई है। इस वर्ग पहेली में कुछ विशेषण शब्द छिपे हुए हैं। शब्दों को खोजिए और उन शब्दों का वाक्यों में प्रयोग कीजिए –

अ	द्	भु	त	म	छो
बे	सुं	द	र	नो	टी
जो	क	ठि	न	र	प्र
ड़	स	जी	व	म	सि
ब	वि	शा	ल	च	द्ध
ड़ी	रं	ग	बि	रं	गा

उत्तर :

अ	द्	भु	त	म	छो
बे	सुं	द	र	नो	टी
जो	क	ठि	न	र	प्र
ड़	स	जी	व	म	सि
ब	वि	शा	ल	च	द्ध
ड़ी	रं	ग	बि	रं	गा

- **अद्भुत –** अजंता की गुफाओं में बने चित्र इतने अद्भुत थे कि निशा बस देखती ही रह गई।
- **सुंदर –** एलोरा के मंदिरों की मूर्तियाँ और सजावट बहुत सुंदर थीं।
- **कठिन –** पहाड़ काटकर गुफाएँ बनाना बहुत कठिन कार्य था।

- **सजीव –** चित्र इतने सजीव थे कि लगता था वे अभी बोल पड़ेंगे।
- **विशाल –** कैलाश मंदिर की विशाल इमारत देखकर निशा चकित रह गई।
- **रंग-बिरंगा –** अजंता की गुफाओं की दीवारों पर रंग-बिरंगे चित्र बने हुए थे।
- **बेजोड़ –** उस समय के कलाकारों की कला बेजोड़ थी।
- **बड़ी –** एलोरा की गुफाओं में कई बड़ी और विशाल मूर्तियाँ थीं।
- **मनोरम –** अजंता के पहाड़ों के बीच बहती नदी का दृश्य बड़ा मनोरम लग रहा था।
- **छोटी –** कुछ गुफाएँ इतनी छोटी थीं कि एक ही व्यक्ति आसानी से अंदर जा सकता था।
- **प्रसिद्ध –** कैलाश मंदिर अजंता-एलोरा की सबसे प्रसिद्ध गुफा है।

चित्र का वर्णन

आपने पाठ में अजंता के चित्रों का सुंदर वर्णन पढ़ा। नीचे अजंता का एक प्रसिद्ध चित्र दिया गया है। इसका वर्णन अपने शब्दों में लेखन-पुस्तिका में कीजिए –

उत्तर : यह अजंता की गुफा संख्या 1 में बना पद्मपाणि बोधिसत्व का एक अत्यंत प्रसिद्ध और सुंदर भित्तिचित्र है।

चित्र की विशेषताएँ:

- **केंद्रीय आकृति:** चित्र के केंद्र में बोधिसत्व पद्मपाणि को दर्शाया गया है। वे शांत, सौम्य और गहन मुद्रा में खड़े हैं।
- **हाथ की मुद्रा:** उनके दाहिने हाथ में एक नीला कमल (पद्म) फूल है, जिसके कारण ही उन्हें पद्मपाणि (पद्म को धारण करने वाला) कहा जाता है। यह फूल पवित्रता और करुणा का प्रतीक है।
- **श्रृंगार और वेशभूषा:** बोधिसत्व ने सिर पर एक भव्य मुकुट पहना है, जिसमें बहुमूल्य रत्न जड़े हुए हैं। उन्होंने गले में सुंदर हार और अन्य आभूषण धारण किए हैं। उनका ऊपरी शरीर (धड़) नग्न है और निचले भाग में एक धोती पहनी हुई है।

Free worksheets, NCERT Solutions, Learning material & more at www.onepointlearning.com

- **रंग और तकनीक:** चित्र में मुख्य रूप से गहरे और हल्के रंगों का अद्भुत मिश्रण है, जैसे - पीला, हरा, भूरा और काला। रंगों को इस तरह मिलाया गया है कि आकृति में गहराई और त्रि-आयामी (3D) प्रभाव दिखाई देता है।
- **भाव:** बोधिसत्व के चेहरे पर एक दिव्य शांति, दया और करुणा का भाव है। उनकी आँखें आधी बंद हैं, जो ध्यान की अवस्था को दर्शाती हैं।
- **पृष्ठभूमि:** मुख्य आकृति के चारों ओर अन्य छोटी-छोटी आकृतियाँ, संभवतः अप्सराएँ, सेवक और अन्य बोधिसत्व, दिखाई दे रहे हैं।

यह चित्र अजंता की कला और भारतीय चित्रकला की सुंदरता, कोमलता और उच्च कोटि की कारीगरी का एक बेजोड़ उदाहरण है। लगभग 1500 वर्ष पुराने होने के बावजूद, इसके रंग आज भी अपनी आभा बनाए हुए हैं।

मानचित्र

आपने पाठ में अजंता का वर्णन पढ़ा। नीचे अजंता का एक मानचित्र दिया गया है। इस वर्णन और मानचित्र की सहायता से नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर खोजिए-

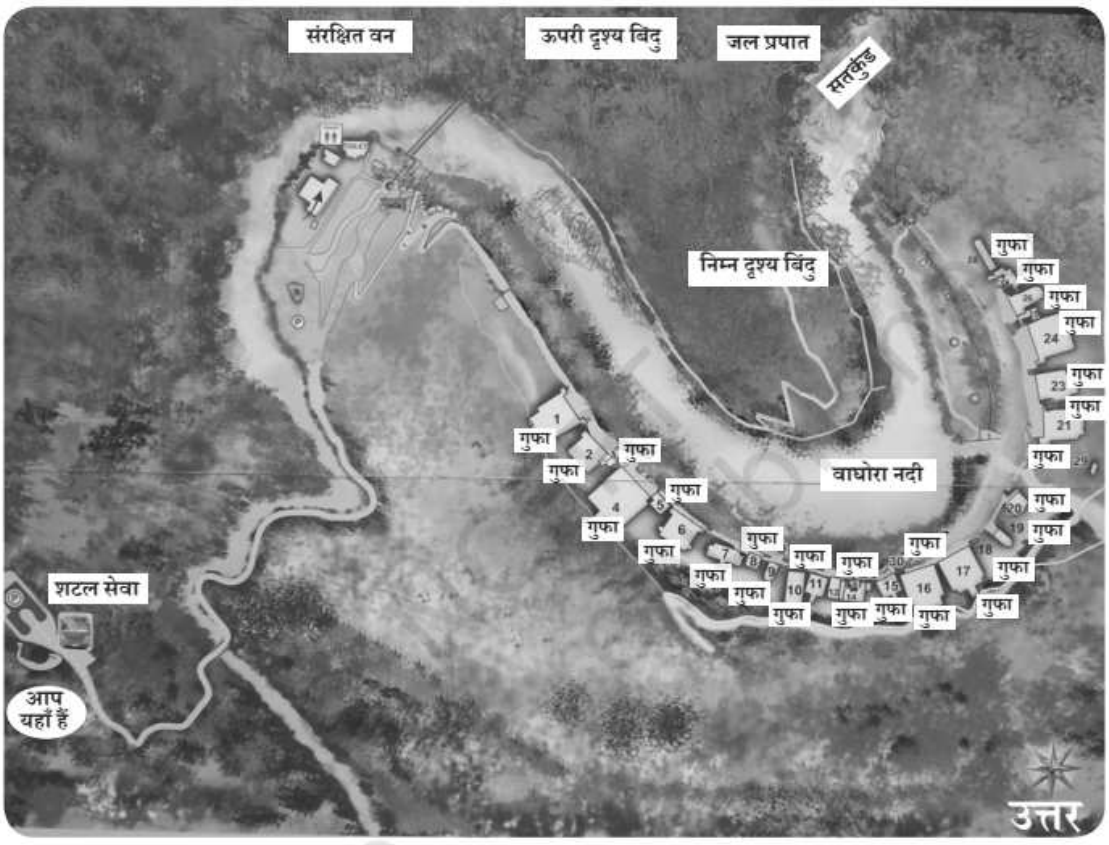

1. **नदी का क्या नाम है?**

   उत्तर: नदी का नाम वाघोरा नदी है।

2. **कुल कितनी गुफाएँ दिखाई गई हैं?**

   उत्तर: मानचित्र में 30 गुफाएँ दिखाई गई हैं।

3. **चारों दिशाओं में से कौन-सी दिशा का संकेत दिया गया है?**

   उत्तर: उत्तर दिशा का संकेत दिया गया है।

4. **"आप यहाँ हैं" से क्या आशय है?**

   उत्तर: "आप यहाँ हैं" का मतलब है कि यह वह स्थान है जहाँ से आप गुफाओं की ओर जा रहे हैं, जैसे प्रवेश द्वार।

5. **कुंड का क्या नाम है ?**

   उत्तर: कुंड का नाम सतकुंड है।

आइए मापें

लंबाई मापने के फीते की सहायता से अपने समूह के साथ मिलकर कक्षा में इन्हें मापिए और लिखिए–

1. **कक्षा की लंबाई –** लगभग 8 मीटर
2. **कक्षा की चौड़ाई –** लगभग 6 मीटर
3. **दरवाजे की चौड़ाई –** लगभग 1.2 मीटर
4. **खिड़की की चौड़ाई –** लगभग 1 मीटर
5. **श्यामपट की लंबाई –** लगभग 3 मीटर
6. **श्यामपट की चौड़ाई –** लगभग 1 मीटर

रंगों का संसार

आपने पाठ में पढ़ा कि रंगों को प्राकृतिक वस्तुओं का उपयोग करके भी बनाया जा सकता है। आगे रंग बनाने की कुछ विधियाँ दी गई हैं। अपने अभिभावकों की सहायता से इनका प्रयोग करके आप भी प्राकृतिक रंग बनाइए –

हरा रंग

सामग्री: पालक, मेंहदी, पुदीना या हरा धनिया, पानी

विधि: पालक के पत्तों को पानी में उबालें और पीसकर छान लें। गाढ़ा हरा रंग तैयार होगा। पुदीना, धनिया और पालक की पत्तियों को सुखाकर पाउडर बनाकर भी हरा रंग बनाया जा सकता है।

पीला रंग

सामग्री: हल्दी पाउडर, पानी

विधि: हल्दी पाउडर में थोड़ा पानी मिलाकर अच्छी तरह घोलें। इससे गहरा पीला रंग तैयार होता है, जिसे चित्रकारी में इस्तेमाल किया जा सकता है।

लाल रंग

सामग्री: चुकंदर, पानी

विधि: चुकंदर को छोटे टुकड़ों में काटकर पानी में उबालें। ठंडा होने पर पीसकर छान लें। इससे गहरा लाल रंग मिलेगा। इसे पानी के साथ पतला करके पेंट की तरह इस्तेमाल कर सकते हैं।

नीला रंग

सामग्री: नील (कपड़ों में लगाने वाला)

www.onepointlearning.com

विधि: नील को पानी में मिलाएँ। नीला रंग तैयार हो जाएगा।

भूरा रंग

सामग्री: कॉफी पाउडर या चाय की पत्तियाँ, पानी

विधि: थोड़ा सा कॉफी पाउडर या चाय की पत्तियाँ पानी में उबालें। ठंडा करके चित्रकारी में इस्तेमाल करें।

उत्तर: विद्यार्थी स्वयं करें

पुस्तकालय से

इस पाठ में आपने अजंता-एलोरा के बारे में पढ़ा और उसके बारे में जाना। अब भारत के अन्य दर्शनीय स्थानों के बारे में अपने पुस्तकालय में खोजबीन कीजिए और उनके बारे में पढ़िए। साथ ही कक्षा में उनके बारे में चर्चा भी कीजिए।

उत्तर: भारत के अन्य दर्शनीय स्थान

1. **ताज महल (आगरा, उत्तर प्रदेश)**

– सफेद संगमरमर से बना यह स्मारक मुग़ल सम्राट शाहजहाँ ने अपनी पत्नी मुमताज़ महल की याद में बनवाया था।

– इसकी सुंदरता और नक्काशी देखकर हर कोई मंत्रमुग्ध हो जाता है।

2. **खजुराहो के मंदिर (मध्य प्रदेश)**

– खजुराहो के मंदिर अपने अद्भुत शिल्प और मूर्तियों के लिए प्रसिद्ध हैं।

– इन मंदिरों में हिंदू और जैन धर्म से जुड़े सुंदर चित्र और मूर्तियाँ बनी हैं।

3. **माथेरान (महाराष्ट्र)**

– यह एक हिल स्टेशन है, जहाँ हरियाली और पर्वतों का मनोरम दृश्य देखने को मिलता है।

– यहाँ बच्चों और परिवार के साथ घूमने का आनंद लिया जा सकता है।

4. **काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान (असम)**

– यह राष्ट्रीय उद्यान गैंडे और हाथियों के लिए प्रसिद्ध है।

– यहाँ वन्यजीवों और पक्षियों को नजदीक से देखा जा सकता है।

चर्चा के लिए उदाहरण:

- बच्चों ने अपने-अपने खोजे हुए स्थानों के बारे में बताया।
- ताज महल की सफेदी, खजुराहो की मूर्तियाँ, माथेरान की हरियाली और काजीरंगा के वन्यजीव सभी ने बच्चों को बहुत प्रभावित किया।
- चर्चा में बच्चों ने कहा कि भारत में देखने योग्य इतने सुंदर और विविध स्थान हैं, और हमें इन्हें संरक्षित रखना चाहिए।

www.onepointlearning.com

धन्यवाद कार्ड

निशा को उसकी मौसी ने अजंता और एलोरा की गुफाएँ दिखायीं। इस कारण निशा ने अपनी मौसी को धन्यवाद कार्ड लिखा। अब आप भी अपने किसी संबंधी को धन्यवाद कार्ड लिखिए –

उत्तर: धन्यवाद कार्ड का उदाहरण

प्रति,

मेरी प्यारी मौसी जी

विषय: धन्यवाद

प्रिय मौसी जी,

आपका बहुत-बहुत धन्यवाद! आपने मुझे अजंता और एलोरा की गुफाएँ दिखाकर मेरा मन बहुत खुश कर दिया। उन सुंदर चित्रों और मूर्तियों को देखकर मैं बहुत उत्साहित और चकित हो गई। यह अनुभव मेरे जीवन का सबसे अद्भुत अनुभव रहा। आपकी वजह से मुझे कला और इतिहास के बारे में बहुत कुछ सीखने को मिला। मैं हमेशा इस यात्रा को याद रखूँगी।

आपकी स्नेही भांजी/भतीजी,

निशा

हमारी धरोहर

हमारे देश में बहुत सुंदर ऐतिहासिक स्मारक एवं कलाकृतियाँ हैं। ये हमारे देश की शोभा एवं गौरव बढ़ाते हैं। यह हमारा उत्तरदायित्व है कि हम भी इनकी सुंदरता को बनाए रखें। इन स्मारकों को छूने, इनकी दीवारों को खुरचने अथवा कुछ भी अंकन करने से इन्हें हानि पहुँचती है। इसीलिए इन पर्यटन स्थलों का भ्रमण करते समय हमें सावधानी रखनी चाहिए।

उत्तर: हमारे देश में बहुत सुंदर ऐतिहासिक स्मारक और कलाकृतियाँ हैं। ये हमारी संस्कृति और गौरव को बढ़ाती हैं। हमें इनकी सुंदरता और महत्व को समझते हुए इन्हें सुरक्षित रखना चाहिए। स्मारकों को छूने, खुरचने या उस पर कोई अंकन करने से इन्हें नुकसान पहुँचता है। इसलिए जब हम इन पर्यटन स्थलों पर जाएँ तो सावधानी बरतनी चाहिए और इन्हें संरक्षित रखने में मदद करनी चाहिए।

आपकी अभिव्यक्ति

क्या आपने कभी कोई रेल यात्रा की है? अपनी किसी रेल यात्रा का कोई रोचक अनुभव साझा कीजिए। यदि आपने रेल यात्रा नहीं की है तो अपने किसी मित्र या परिवार के सदस्य के अनुभव भी लिख सकते हैं।

रेल यात्रा का रोचक अनुभव

उत्तर: हाँ, मैंने कई बार रेल यात्रा की है। मेरी सबसे रोचक रेल यात्रा पिछले साल की है, जब मैं अपने परिवार के साथ मुंबई से दिल्ली जा रहा था।

Free worksheets, NCERT Solutions, Learning material & more at www.onepointlearning.com

हम रात को ट्रेन में चढ़े थे। जब सुबह हुई, तो मैंने देखा कि ट्रेन एक बहुत बड़े पुल से गुज़र रही है। नीचे एक विशाल नदी बह रही थी। उस समय सूरज धीरे-धीरे निकल रहा था और उसकी लालिमा नदी के पानी पर पड़ रही थी। यह दृश्य इतना शांत और सुंदर था कि मैं बस देखता ही रह गया। ऐसा लग रहा था जैसे नदी और आसमान आपस में बातें कर रहे हों।

लेकिन असली मज़ा तो बाद में आया। मेरी सीट के सामने एक बहुत हँसमुख परिवार बैठा था, जिनके साथ एक छोटा बच्चा था। वह बच्चा बहुत शरारती था। जब भी कोई वेंडर (सामान बेचने वाला) 'चाय, चाय!' चिल्लाता, तो वह बच्चा भी उसके पीछे-पीछे 'आय, आय!' चिल्लाने लगता।

थोड़ी देर बाद, उसके पिता ने एक जादुई खेल दिखाना शुरू किया। उन्होंने एक सिक्का लिया और उसे अपनी हथेली में गायब कर दिया! हम सब तालियाँ बजाने लगे। उस छोटे बच्चे ने भी अपनी मुट्ठी बंद कर ली और कहा कि उसके पास भी 'जादू' है। जब उसने मुट्ठी खोली, तो उसमें कुछ नहीं था! लेकिन उसकी मासूमियत देखकर पूरी बोगी में ज़ोर से हँसी गूंज उठी।

हम सबने मिलकर अखबार की नाव बनाई, गाने गाए और खूब सारी कहानियाँ सुनीं। ट्रेन की खिड़की से बाहर खेत, गाँव और पहाड़ गुज़रते जा रहे थे, और अंदर हम सब एक-दूसरे से जुड़ते जा रहे थे। यह यात्रा केवल मुंबई से दिल्ली तक की नहीं थी, बल्कि प्यार, हँसी और दोस्ती से भरा एक यादगार अनुभव था, जिसे मैं कभी नहीं भूल पाऊँगा।

आपकी चित्रकारी

हिंदी की गिनती मिलाकर चित्र पूरा कीजिए और उसमें अपनी रुचि के रंग भरिए -

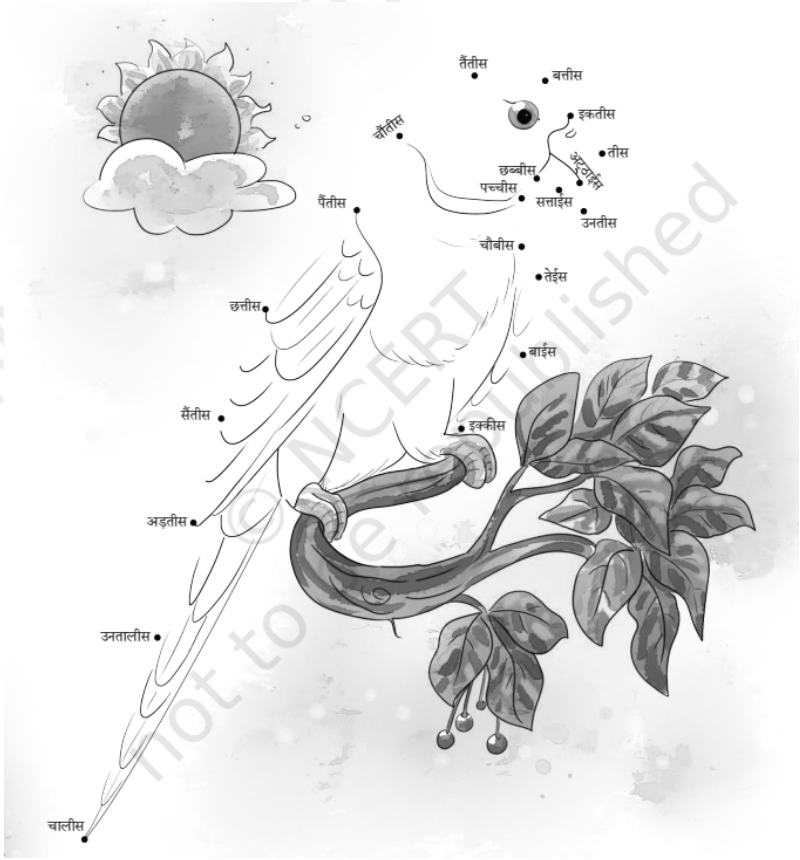

Free worksheets, NCERT Solutions, Learning material & more at www.onepointlearning.com

उत्तर:

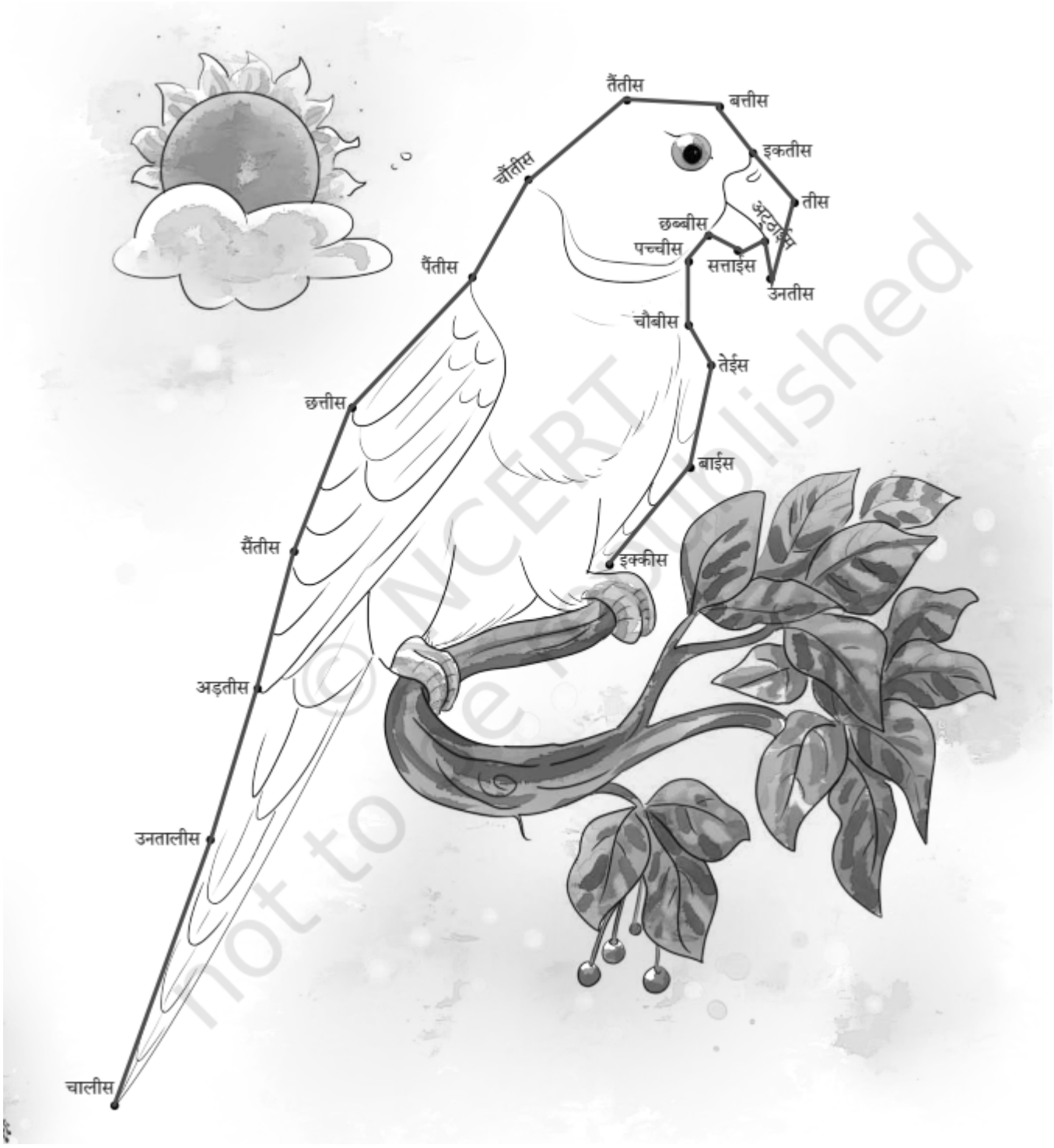

© NCERT not to be republished